RAJHIN/2014/55262

sancharjagat.com

खबरों व विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
संचार जगत
मो.नम्बरः- +917357161599

संचार जगत

दैनिक समाचार पत्र

sancharjagat.com | editorial@sancharjagat.com

'सोच को इतना बड़ा रखो कि असफलता भी एक छोटा कदम लगे। सफलता कोई मंजिल नहीं, यह एक दिशा है। बड़ा सोचो, बड़ा करो।'

वर्षः 13 | अंकः 292 | जयपुर, बुधवार, 25 नवम्बर 2026 | मूल्यः 2.00 रूपए | पृष्ठः 4

▶ बीजेपी-अकाली दल का विधानसभा चुनाव 2027 के लिए हुआ गठबंधन

शाह बोले- पंजाब में एनडीए की सरकार बनी तो अकाली दल का होगा मुख्यमंत्री

किया स्पष्ट-चुनाव में शिरोमणि अकाली दल बड़े भाई की भूमिका निभाएगा

नई दिल्ली/संचार जगत

पंजाब में बीजेपी और शिरोमणि अकाली दल का पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 के लिए गठबंधन हो गया है। इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने यह स्पष्ट किया कि पंजाब विधानसभा चुनाव में शिरोमणि अकाली दल बड़े भाई की भूमिका निभाएगा (ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ेगा) और राज्य में अगर एनडीए चुनाव जीतता है तो शिरोमणि अकाली दल का ही मुख्यमंत्री होगा।

राजधानी नई दिल्ली में मंगलवार को बीजेपी मुख्यालय पर हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अमित शाह ने कहा कि भाजपा का सबसे पुराना सहयोगी शिरोमणि अकाली दल राजग में लौट आया है, हम तहेदिल से उनकी वापसी का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि अकाली दल के साथ हमारा रिश्ता हमेशा मजबूत रहा है, हमारे संबंध वाजपेयी-आडवाणी के समय से हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा-अकाली दल गठबंधन का विस्तृत घोषणापत्र बाद में जारी किया जाएगा, लेकिन पंजाब से मादक पदार्थों की समस्या को समाप्त करने पर प्रमुखता से ध्यान रहेगा। गृह मंत्री ने यहा भी कहा कि शिरोमणि अकाली दल के हाथ मिलाने से किसानों के मुद्दों को सुलझाने और हिंदू-सिख एकता को आगे बढ़ाने के भाजपा के वादे को मजबूती मिलेगी।



करतारपुर साहिब कॉरिडोर पर क्या बोले शाह

शाह ने कहा- करतारपुर साहिब कॉरिडोर की मांग आजादी के समय से ही थी। उन्होंने कहा कि अगर आजादी के समय बीजेपी होती और सत्ता में होती, तो आज करतारपुर साहिब भारत का हिस्सा होता। यह केवल कांग्रेस की लापरवाही का नतीजा है कि इतना पवित्र और महत्वपूर्ण स्थल आज भारत का हिस्सा नहीं है। उन्होंने कहा कि करतारपुर साहिब कॉरिडोर पीएम मोदी ने बनवाया था और वहां तीर्थयात्रा की शुरुआत की थी। हालांकि, ऑपरेशन सिंदूर के बाद, जब राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा सामने आया, तो इसे कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया था। जैसे ही यह मुद्दा पूरी तरह सुलझ जाएगा, हम पूरे सम्मान के साथ करतारपुर साहिब को तुरंत फिर से खोल देंगे। राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों पर राजनीति नहीं करनी चाहिए।

बादल बोले- यह गठबंधन पंजाब और देश के हित में

इस दौरान शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने कहा कि बीजेपी के साथ अकाली दल का गठबंधन एक भावनात्मक गठजोड़ है। उन्होंने कहा कि पंजाब में हर धर्म और वर्ग का व्यक्ति चाहता है कि बीजेपी और अकाली साथ आएं। पुराना अनुभव भी कहता है कि यह बेस्ट गठबंधन है। सुखबीर बादल ने कहा कि उनके पिता कहा करते थे कि अकाली दल-बीजेपी का रिश्ता अटूट है, जो बहुत गहराई से जुड़ा हुआ है। यह गठबंधन पंजाब के हित में, देश के हित में और सिख समुदाय के हित में है। उन्होंने कहा कि जब तक यह गठबंधन सत्ता में रहा, पंजाब में शांति रही है और भाईचारा कायम रहा है। शिरोमणि अकाली दल कोई नई पार्टी नहीं है। यह भारत के इतिहास की दूसरी सबसे पुरानी पार्टी है। देश की आजादी में शिरोमणि अकाली दल के नेतृत्व और कार्यकर्ताओं का सबसे बड़ा योगदान रहा है।



11 लाख दीयों से जगमग हुए काशी के 84 घाट

वाराणसी, आरएनएन। काशी में देव दीपावली का पर्व भव्य तरीके से मनाया गया। गंगा के 84 घाटों पर करीब 11 लाख दीये जलाए गए, जिससे पूरा घाट क्षेत्र दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। नमो घाट पर पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने पहला दीप प्रज्वलित कर उत्सव की शुरुआत की।

देव दीपावली देखने 40 देशों से पहुंचे विदेशी मेहमान

इस भव्य आयोजन को देखने के लिए 40 देशों से विदेशी मेहमान सहित करीब 15 लाख पर्यटक काशी पहुंचे हैं। देव दीपावली के अवसर पर काशी के सभी प्रमुख घाटों को दीपों से सजाया गया है। दीपों की रोशनी से गंगा का तट बेहद आकर्षक नजर आ रहा था। काशी की देव दीपावली का आकर्षण देश ही नहीं, बल्कि विदेशों तक पहुंचा है। इस भव्य आयोजन को देखने के लिए करीब 40 देशों से विदेशी मेहमान वाराणसी पहुंचे। बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक गंगा घाटों पर पहुंचकर दीपों की रोशनी और धार्मिक आयोजन का आनंद लिया। घाटों पर कई आकर्षक कार्यक्रम आयोजित किए गए। गंगा आरती के साथ लेजर शो, ड्रोन शो और आतिशबाजी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बना। बताया जाता है कि देव दीपावली पर गंगा के 84 घाटों और प्रमुख धार्मिक स्थलों समेत पूरे वाराणसी में 21 लाख दीये जलाए गए।

▶ कच्चे माल की महंगाई से वाहन निर्माताओं पर लागत का दबाव बढ़ा

हुंडई-टाटा कारें 1 दिसंबर से महंगी

हुंडई के चुनिंदा मॉडल 8,000 रुपए तक महंगे होंगे, टाटा की सभी कारों और एसयूवी पर औसतन 0.5 प्रतिशत वृद्धि लागू

नई दिल्ली/संचार जगत

अगर आप कार खरीदने की योजना बना रहे हैं तो अगले महीने से आपको अपनी जेब ज्यादा ढीली करनी पड़ सकती है। वाहन निर्माता कंपनियां उत्पादन लागत में लगातार बढ़ोतरी के चलते गाड़ियों के दाम संशोधित कर रही हैं। इसी कड़ी में हुंडई मोटर इंडिया और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने 1 दिसंबर 2026 से अपनी कारों की कीमतें बढ़ाने का फैसला किया है। हुंडई की चुनिंदा कारों और वेरिएंट के दाम 8,000 रुपए तक बढ़ेंगे, जबकि टाटा मोटर्स की सभी कारों और एसयूवी की कीमतों में औसतन 0.5 प्रतिशत का इजाफा होगा।

हुंडई के चुनिंदा मॉडल होंगे महंगे

हुंडई मोटर इंडिया ने शेयर बाजारों को दी गई जानकारी में बताया कि वाहनों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल और अन्य इनपुट की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। कंपनी अब तक आंतरिक कार्यक्षमता बढ़ाकर और लागत घटाने के उपायों के जरिए अतिरिक्त खर्च का बड़ा हिस्सा खुद वहन कर रही थी। हालांकि, लगातार बढ़ते लागत दबाव के कारण अब इसका कुछ बोझ ग्राहकों पर डालना जरूरी हो गया है। इसी को देखते हुए कंपनी ने चुनिंदा मॉडलों और वेरिएंट की कीमतों में 8,000 रुपए तक की बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। अलग-अलग मॉडल और वेरिएंट के हिसाब से मूल्य वृद्धि अलग-अलग रहेगी।





चालू वित्त वर्ष में चौथी बार बढ़ेंगे टाटा के दाम

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स वित्त वर्ष 2026-27 में चौथी बार अपनी गाड़ियों की कीमतें बढ़ा रही है। इससे पहले कंपनी तीन बार दाम संशोधित कर चुकी है।

टाटा की सभी कारों और एसयूवी पर असर

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने अपनी सभी कारों और एसयूवी की कीमतों में औसतन 0.5प्रतिशत की बढ़ोतरी की घोषणा की है। नई दरें 1 दिसंबर 2026 से लागू होंगी। इस फैसले का असर पेट्रोल, डीजल और इलेक्ट्रिक तीनों तरह के वाहनों पर पड़ेगा। कंपनी ने बताया कि वाहनों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल और अन्य जरूरी वस्तुओं की लागत ऊंचे स्तर पर बनी हुई है। बढ़ते खर्च के प्रभाव को कम करने के लिए कीमतों में संशोधन किया जा रहा है। कंपनी के मुताबिक, अतिरिक्त लागत का एक बड़ा हिस्सा वह खुद वहन कर रही है, जबकि शेष बोझ का कुछ हिस्सा कीमतें बढ़ाकर ग्राहकों पर डाला जा रहा है। अलग-अलग मॉडल और संस्करण के अनुसार मूल्य वृद्धि में अंतर रहेगा।

इस साल कब-कब बढ़ीं कीमतें

- **1 अप्रैल:** पेट्रोल और डीजल से चलने वाली गाड़ियों के दाम में भारित औसत के आधार पर 0.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई।
- **1 जुलाई:** पेट्रोल, डीजल और इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमतें 1.5 प्रतिशत तक बढ़ाई गईं।
- **1 सितंबर:** कंपनी ने अपनी गाड़ियों के दाम में 25,000 रुपए तक का इजाफा किया।
- **1 दिसंबर:** सभी कारों और एसयूवी की कीमतों में औसतन 0.5 प्रतिशत की वृद्धि लागू होगी।

ऑडी 1 जनवरी से होंगी महंगी 2 प्रतिशत तक बढ़ेंगे दाम

जर्मनी की लग्जरी कार निर्माता कंपनी ऑडी भारत में अपनी गाड़ियों की कीमतें बढ़ाने जा रही है। कंपनी ने 1 जनवरी 2027 से अपने सभी मॉडलों की एक्स-शोरूम कीमतों में 2प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। कंपनी ने इस फैसले की वजह उत्पादन में इस्तेमाल होने वाली सामग्री और अन्य इनपुट की लागत में लगातार हो रही वृद्धि को बताया है।

अमेरिका को 8,606 मीट्रिक टन कच्ची चीनी भेजेगा भारत, सरकार की मंजूरी

एपीडा संभालेगा पात्र निर्यातकों के चयन और आवंटन की जिम्मेदारी



नई दिल्ली/संचार जगत

भारत ने अमेरिका को कच्ची चीनी के निर्यात का रास्ता साफ कर दिया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने अमेरिकी वित्त वर्ष 2027 के लिए टैरिफ रेट कोटा (टीआरक्यू) व्यवस्था के तहत 8,606 मीट्रिक टन कच्ची चीनी भेजने की अनुमति दी है। यह आवंटन दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा देने वाली विशेष व्यवस्था के तहत किया गया है। निर्धारित कोटा 1 अक्टूबर 2026 से 30 सितंबर 2027 तक मान्य रहेगा।

विदेश व्यापार नीति के तहत आवंटन

विदेश व्यापार महानिदेशक एवं भारत सरकार के पदेन अतिरिक्त सचिव लव अग्रवाल की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, यह कोटा अमेरिका के वित्त वर्ष 2027 के अनुरूप निर्धारित किया गया है। सरकार ने इसका आवंटन विदेश व्यापार नीति 2023 के पैराग्राफ 2.04 के प्रावधानों के तहत किया है। इसका उद्देश्य निर्यात प्रक्रिया को आसान और पारदर्शी बनाना है। आमतौर पर घरेलू बाजार में पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने और कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए भारत में चीनी निर्यात पर कई तरह के प्रतिबंध लागू रहते हैं। हालांकि, टैरिफ रेट कोटा एक विशेष व्यापार व्यवस्था है, जिसके तहत निर्धारित मात्रा में उत्पाद के आयात पर कम या शून्य सीमा शुल्क लगाया जाता है।

रियायती शुल्क का मिलेगा लाभ

डीजीएफटी ने अधिसूचना में स्पष्ट किया है कि एचएस कोड 17010000 के तहत अमेरिका और यूरोपीय संघ को टीआरक्यू व्यवस्था के अंतर्गत होने वाला चीनी निर्यात निर्धारित शर्तों के अधीन मुक्त श्रेणी में रखा गया है। इसके तहत भारतीय निर्यातकों को तय कोटे के भीतर अमेरिका में चीनी भेजने पर रियायती सीमा शुल्क का लाभ मिलेगा।इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय चीनी की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ सकती है। साथ ही घरेलू चीनी मिलों को विदेशी बाजार में बेहतर अवसर मिलने और मुनाफे में सुधार की उम्मीद है।

तोहफा... जामनगर में आयुर्वेद की पढ़ाई के दौरान खिंची थी फोटो

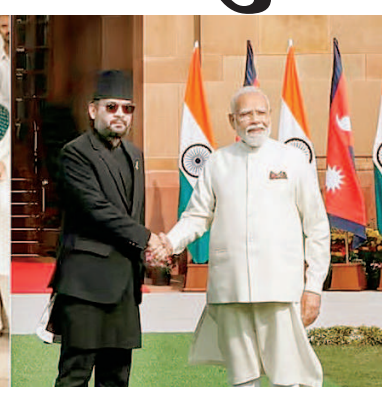
पीएम मोदी ने बालेन शाह को भेंट की उनके दिवंगत पिता की पुरानी तस्वीर

नई दिल्ली/संचार जगत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह को उनके दिवंगत पिता डॉ. राम नारायण शाह की एक पुरानी तस्वीर भेंट की। गुजरात के जामनगर में उनकी पढ़ाई के दिनों की यह तस्वीर देखकर बालेन शाह भावुक हो गए। डॉ. राम नारायण शाह ने जामनगर स्थित गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर की पढ़ाई की थी। उनका 1 दिसंबर 2025 को 77 वर्ष की उम्र में काठमांडू के सिविल अस्पताल में निधन हो गया था।

मोदी ने इस खास तस्वीर के अलावा बालेन शाह को प्रयागराज के त्रिवेणी संगम का गंगाजल, बनारसी ब्रोकेड का स्टोल और संपूर्ण रामायण की कथा दर्शाती कलमकारी कलाकृति भी भेंट की। बनारसी स्टोल को पारंपरिक गुजराती साडेली डिब्बे में रखा गया था। वहीं, बालेन शाह ने प्रधानमंत्री मोदी को पशुपतिनाथ मंदिर का प्रसाद, रुद्राक्ष और चंदन भेंट किया। डॉ. राम नारायण शाह का जन्म 1948 में नेपाल के महोत्तरी जिले के एकदारा गांव में हुआ था। उनके पिता का नाम मुनी लाल शाह था। उनका परिवार खेती-किसानी और स्थानीय सामाजिक गतिविधियों से जुड़ा था।





नेपाल की सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था में दी सेवाएं

पढ़ाई पूरी करने के बाद राम नारायण शाह 1980 के दशक की शुरुआत में नेपाल लौट गए। उन्होंने काठमांडू में रहकर सरकारी स्वास्थ्य विभाग में आयुर्वेदिक चिकित्सक के रूप में काम शुरू किया। उनकी नियुक्ति सिंह दरबार वैद्यखाना में हुई, जहां आयुर्वेदिक दवाओं का निर्माण और वितरण किया जाता है। उन्होंने कई दशकों तक नेपाल की सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था में सेवाएं दीं। उनके अनुभव को देखते हुए उन्हें संस्थान का प्रबंध निदेशक बनाया गया। उन्होंने 2001 से 2005 तक इस पद पर काम किया।

दीपिका की हैट्रिक से जीत का चौका

महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने चीन को 6-2 से रौंदा

नई दिल्ली/संचार जगत

राजधानी भोपाल के बरखेड़ा नाथू अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में चीन के खिलाफ खेले गए महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 में भारतीय हॉकी टीम ने एकतरफा जीत हासिल की। भारत के लिए दीपिका ने कमाल किया और गोल की हैट्रिक लगाकर टीम इंडिया को जीत दिलाई।

भारतीय टीम ने अब तक टूर्नामेंट में चार मुकाबले खेले हैं और सभी मैचों में जीत दर्ज की है। इससे पहले भारतीय महिला टीम ने थाईलैंड के खिलाफ बड़ी जीत हासिल की थी और विपक्षी टीम को 7-0 से हराया था। अब चीन के खिलाफ भी टीम इंडिया ने एकतरफा मैच को अपने नाम कर लिया। टीम इंडिया ने मैच में 6-2 से जीत दर्ज की।



सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंची टीम इंडिया

भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच विश्व रैंकिंग में मंगलवार को पहली बार पांचवां स्थान के साथ बड़ी सफलता हासिल की है। यह एफआईएच रैंकिंग में टीम की अब तक की सर्वोच्च रैंकिंग है। अक्टूबर 2003 में विश्व रैंकिंग की शुरुआत के बाद भारतीय टीम पहली बार इस मुकाम तक पहुंची है। इससे पहले भारत की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग छठी थी, जो टीम ने मई-जून 2022 में एफआईएच प्रो लीग में लगातार शानदार प्रदर्शन के बाद हासिल की थी। टीम ने 2023 में भी छठा स्थान प्राप्त किया था। भारतीय महिला टीम इससे पहले 2018 में विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद नौवें स्थान पर रही थी।

संपादकीय

पक्षपाती अमेरिकी आयोग

अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग अर्थात यूएससीआरएफ ने एक बार फिर भारत के प्रति अपने दुराग्रही और घोर पक्षपाती रवैए का परिचय दिया। इस बार उसने कुछ विपक्षी दलों के इस दुष्प्रचार को हवा दी कि मतदाता सूचियों के शुद्धीकरण यानी एसआइआर के तहत मुसलमानों को वोटर लिस्ट से बाहर करने के साथ उन्हें विदेशी बताकर देश से निकाला जा रहा है। इस कोरे झूठ पर भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने यह सही कहा कि यूएससीआरएफ न केवल पक्षपाती है, बल्कि उसका एजेंडा पूरी तरह राजनीति प्रेरित है और ऐसे संगठन को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं। उचित यह होगा कि भारत केवल इतना कहने तक ही सीमित न रहे, बल्कि वह इस तथाकथित निष्पक्ष आयोग की शरारत भरी हरकतों को बेनकाब भी करे। ऐसा इसलिए किया जाना चाहिए, क्योंकि जबसे पाकिस्तानी मूल के आसिफ महमूद इस आयोग के प्रमुख बने हैं, तबसे वह भारत के प्रति अपनी दुर्भावना का प्रदर्शन करने का काम कुछ अधिक ही कर रहा है। वह कभी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और खुफिया एजेंसी रा पर पाबंदी की सिफारिश करता है और कभी पूर्वोत्तर को भारत से अलग करने की जरूरत जताने वाले शरजील इमाम का पक्ष लेते हुए कहता है कि उसे धार्मिक स्वतंत्रता की वकालत करने के कारण हिरासत में रखा गया है। आखिर यह बेशर्मी की पराकाष्ठा नहीं तो और क्या है? पक्षपाती अमेरिकी आयोग की समझ से धार्मिक स्वतंत्रता के मामले में भारत विशेष चिंता वाला देश है, जबकि प्यू रिसर्च के ताजा सर्वे के अनुसार यहां मुस्लिम आबादी सबसे तेजी से बढ़ रही है। तथ्य यह भी है कि मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने वालों में एक बड़ी संख्या मुसलमानों की है। चूंकि अमेरिकी आयोग भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहा है, इसलिए भारतीय विदेश मंत्रालय को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह रेखांकित करने में संकोच नहीं करना चाहिए कि इस आयोग में एक तो एक भी हिंदू या बौद्ध नहीं और दूसरे, उन लोगों की अधिकता है, जो लाबिंग करने के लिए जाने जाते हैं। कुछ तो ऐसे हैं, जो अपने कट्टर धार्मिक विचारों के लिए चर्चा में आते रहे हैं। भारत को यह भी बार-बार दोहराना चाहिए कि यह आयोग निष्पक्ष तथ्यों के बजाय संदिग्ध स्रोतों के आधार पर अपना आकलन करता है। यह सही है कि इस आयोग की सिफारिशें अमेरिकी सरकार पर बाध्यकारी नहीं होतीं, लेकिन इसकी अनदेखी भी नहीं की जा सकती कि वे कुल मिलाकर अमेरिकी विदेशी नीति के एजेंडे को ही साधने का काम करती हैं। इसका प्रमाण यह है कि यह आयोग अमेरिका में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति पर कोई रिपोर्ट जारी नहीं करता, जहां कभी अश्वेतों को निशाने पर लिया जाता है और कभी भारतीयों को।

विरासत को सहेजने के साथ समझें भी

12वीं शताब्दी में कल्हण रचित राजतरंगिणी ऐतिहासिक लेखन की एक विशिष्ट परंपरा प्रस्तुत करती है। महर्षि वेदव्यास का महाभारत युद्ध की कथा से कहीं आगे बढ़कर धर्म, कर्तव्य, नैतिकता, सत्ता, समाज और मानवीय संबंधों के जटिल प्रश्नों पर विचार करता है। इसके भीतर समाहित श्रीमद्भगवद्गीता का संदेश आज भी दुनिया भर के विचारकों और साधकों को प्रेरित करता है। आचार्य कौटिल्य का अर्थशास्त्र शासन, प्रशासन, आर्थिकी, कूटनीति और राज्य संचालन के विषय में भारतीय चिंतन की परिपक्वता का प्रमाण है। इन ग्रंथों से जुड़ी पांडुलिपियां भी अपने आप में ऐतिहासिक धरोहर हैं।



सभ्यताओं की महानता उनके साम्राज्यों, स्मारकों और उपलब्धियों के साथ इससे भी बनती है कि वे अपने ज्ञान, स्मृतियों, विचारों और सांस्कृतिक परंपराओं को कितनी जीवंतता के साथ आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाती हैं। कुछ सभ्यताएं अपने स्थापत्य के लिए जानी जाती हैं, कुछ साहित्य और दर्शन के लिए तो कुछ अपनी लोक परंपराओं और जीवन-पद्धति के लिए। भारत उन विरल सभ्यताओं में है, जहां ये सभी धाराएं एक साथ प्रवाहित होती रही हैं। हमारे प्राचीन मंदिरों और ऐतिहासिक नगरों से लेकर सदियों पुरानी पांडुलिपियों तक, दर्शन की गहन परंपराओं से लेकर लोकगीतों, उत्सवों और शिल्पकलाओं तक, भारत का अतीत आज भी हमारे वर्तमान में सांस लेता है। हाल में महाभारत, राजतरंगिणी और अर्थशास्त्र की पांडुलिपियों को यूनेस्को के 'मेमोरी आफ द वर्ल्ड एशिया-पैसिफिक रीजनल रजिस्टर' में स्थान मिलना इसी सभ्यतागत विरासत की महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता है। 2024 में रामचरितमानस, पंचतंत्र और सहृदयालोक-लोचन को भी इसी क्षेत्रीय रजिस्टर में स्थान मिला था। इन उपलब्धियों का महत्व इसलिए भी अधिक है कि ये ग्रंथ भारतीय चिंतन की अलग-अलग, किंतु परस्पर जुड़ी हुई परंपराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। 12वीं शताब्दी में कल्हण रचित राजतरंगिणी ऐतिहासिक लेखन की एक विशिष्ट परंपरा प्रस्तुत करती है। महर्षि वेदव्यास का महाभारत युद्ध की कथा से कहीं आगे बढ़कर धर्म, कर्तव्य, नैतिकता, सत्ता, समाज और मानवीय संबंधों के जटिल प्रश्नों पर विचार करता है। इसके भीतर समाहित श्रीमद्भगवद्गीता का संदेश आज भी दुनिया भर के विचारकों और साधकों को प्रेरित करता है। आचार्य कौटिल्य का अर्थशास्त्र शासन, प्रशासन, आर्थिकी, कूटनीति और राज्य संचालन के विषय में भारतीय चिंतन की परिपक्वता का प्रमाण है। इन ग्रंथों से जुड़ी पांडुलिपियां भी अपने आप में ऐतिहासिक धरोहर हैं। भारत की सांस्कृतिक यात्रा को वैश्विक पहचान दिलाने में पिछले एक दशक के दौरान प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उनका मंत्र-'विकास भी, विरासत भी'-इसी सोच को दर्शाता है कि आधुनिकता और परंपरा एक-दूसरे की विरोधी नहीं। 2014 में यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में भारत के 32 स्थल थे, जबकि आज इनकी संख्या 45 हो गई है। यह विस्तार भारत की बहुआयामी विरासत को समझने और स्वीकार करने की वैश्विक दृष्टि का विस्तार है। भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को भी अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है। योग, कुंभ मेला, दुर्गा पूजा, गरबा, रामलीला, वैदिक मंत्रोच्चार और राजस्थान की कालबेलिया परंपरा जैसी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां हमारी जीवंत परंपराओं का परिचय देती हैं। 2025 में दीपावली को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया जाना भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। योग को वैश्विक पहचान दिलाने की पहल भी भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतरराष्ट्रीय विस्तार का उल्लेखनीय उदाहरण है। विदेश से प्राचीन मूर्तियों और पुरावशेषों की वापसी ने भी हमारी ऐतिहासिक धरोहरों को उनके मूल सांस्कृतिक परिवेश से जोड़ने का काम किया है। पिछले वर्षों में 350 से अधिक प्राचीन धरोहरें विदेश से लाई गई हैं। यह पुरावशेषों की वापसी के साथ सांस्कृतिक स्मृति और विरासत के प्रति जिम्मेदारी का पुनर्स्थापन है। काशी विश्वनाथ धाम, केदारनाथ, महाकाल लोक और अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण ने भी आस्था, स्थापत्य और सांस्कृतिक पहचान को जनसहभागिता से जोड़ने का अवसर दिया है। भारत की विरासत का एक बड़ा हिस्सा हमारे स्मारकों और पुरातात्विक स्थलों में सुरक्षित है। अजंता और एलोरा की गुफाएं, खजुराहो के मंदिर, राजस्थान के ऐतिहासिक नगर, नालंदा का प्राचीन विश्वविद्यालय परिसर और असंख्य तीर्थस्थल अपने समय की कलात्मक उत्कृष्टता, वैज्ञानिक समझ, अभियांत्रिकी कौशल और सामाजिक जीवन के साक्षी हैं। इनके माध्यम से हम अतीत की राजनीतिक व्यवस्थाओं, व्यापारिक संबंधों, उपलब्धियों और जीवन-दर्शन को समझ सकते हैं, किसी सभ्यता का आत्मा स्मारकों में बसने के साथ उन परंपराओं में भी जीवित रहता है, जिन्हें लोग दैनिक जीवन में अपनाते और अगली पीढ़ी तक पहुंचाते हैं। किसी विरासत को यूनेस्को की सूची में स्थान मिलना अंतिम उपलब्धि नहीं। उसका वास्तविक मूल्य इससे तय होगा कि हम उस विरासत को कितना सुरक्षित रखते हैं, कितना शोध करते हैं और उसे आने वाली पीढ़ियों के लिए कितना सुलभ बनाते हैं।

जीवनशैली



सुविधाएं बढ़ीं, खुशियां कहां खो गईं?

भागदौड़ भरी जिंदगी में उपलब्धियों का आनंद लेना भी सीखें

अच्छी नौकरी, अपना घर, गाड़ी और बैंक बैलेंस... जिंदगी की ज्यादातर जरूरतें पूरी होने के बावजूद कई लोग सुकून की तलाश में रहते हैं। दिनभर काम, भविष्य की योजनाएं और जिम्मेदारियां निभाते हुए जिंदगी आगे तो बढ़ती है, लेकिन उसे जीने का अहसास पीछे छूट जाता है। दरअसल, हम अपनी खुशी को अगली उपलब्धि से जोड़ देते हैं। लगता है कि थोड़ा और पैसा, बड़ा घर या बेहतर पद मिल जाए तो सब ठीक हो जाएगा। लेकिन एक मंजिल मिलते ही दूसरी की चाह शुरू हो जाती है। आर्थिक सुरक्षा जरूरी है, लेकिन मानसिक संतुष्टि का आधार केवल सुविधाएं नहीं हैं। अच्छे रिश्ते, आत्मस्वीकृति, आभार और अपने प्रति सकारात्मक नजरिया भी खुशहाली में अहम भूमिका निभाते हैं। ऐसे में कुछ आदतें बदलकर जिंदगी को ज्यादा सुकूनभरा बनाया जा सकता है।

भविष्य की चिंता छोड़ वर्तमान जिएं

अगले लक्ष्य की चिंता में पिछली सफलता का जश्न मनाना भूल जाते हैं। प्रमोशन मिला तो अगली वेतनवृद्धि की चिंता और घर खरीदा तो बड़े घर का सपना। कभी ठहरकर अपनी मेहनत को सराहें। छोटी उपलब्धियों की खुशी भी महसूस करें।

हर समय न रहें व्यस्त

आज व्यस्त रहना सफलता का पैमाना बन गया है। खाली समय मिलते ही मोबाइल या दूसरे कामों में उलझ जाते हैं। जबकि मन को भी विश्राम चाहिए। कुछ देर शांत बैठना, प्रकृति को निहारना या टहलना मानसिक थकान कम कर सकता है।

खुद को दें प्राथमिकता

हर काम में तारीफ और मंजूरी की अपेक्षा मन को अस्थिर कर सकती है। अपनी पसंद और फैसलों का मूल्य केवल दूसरों की प्रतिक्रिया से तय न करें। हर किसी को खुश करने की कोशिश में खुद की प्राथमिकताएं न भूलें।

दूसरों से न करें तुलना

वर्तमान में सोशल मीडिया पर किसी की विदेश यात्रा, महंगी कार या शानदार घर देखकर अपनी जिंदगी साधारण लगने लगती है। याद रखें, वहां जिंदगी का केवल चुनिंदा हिस्सा दिखाई देता है। दूसरों से तुलना करने के बजाय देखें कि आपने बीते वर्षों में कितनी प्रगति की है।

रिश्तों को दें पर्याप्त समय

जिंदगी की भागदौड़ में अक्सर हम उन लोगों को ही समय नहीं दे पाते, जो हमारी खुशियों की वजह हैं। परिवार के साथ कुछ पल बिताना, दोस्तों से मिलना और अपनों की बातें सुनना भी सुकून का जरिया है। रिश्तों को केवल जिम्मेदारी नहीं, खुशी का हिस्सा बनाएं।

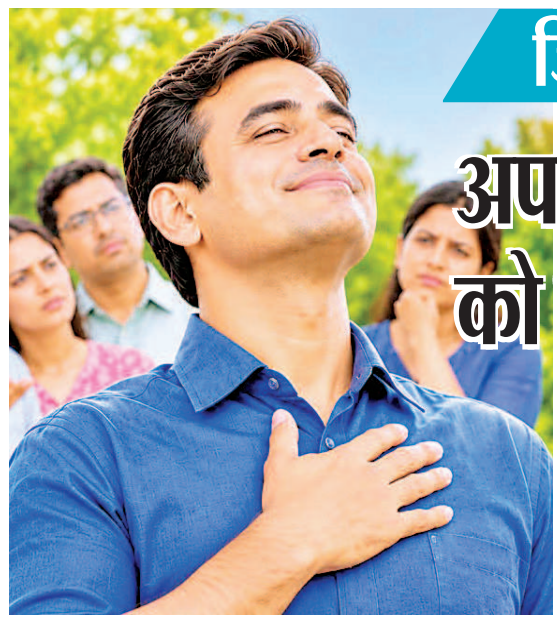
गलतियों पर तनाव न लें

हर समय परफेक्ट रहने का दबाव तनाव बढ़ाता है। छोटी गलती पर खुद को नाकाबिल समझने के बजाय उससे सीखें। अपनी कमियों को स्वीकार करना और खुद के प्रति दयालु रहना भी मानसिक संतुष्टि के लिए जरूरी है।



छोटी खुशियों को न टालें

ज्यादा पैसे जमा होने पर घूमने जाएंगे या जिम्मेदारियां खत्म होने पर अपने लिए समय निकालेंगे, ऐसी सोच में वर्तमान के अच्छे पल छूट जाते हैं। पसंदीदा काम, संगीत, बागवानी या परिवार के साथ सैर के लिए अभी समय निकालें। खुशी कोई ऐसी मंजिल नहीं, जहां पहुंचने के बाद सारी परेशानियां खत्म हो जाएं। यह अपने पास मौजूद चीजों को महसूस करने, रिश्तों को सहेजने और वर्तमान में जीने का तरीका है। आगे बढ़ना जरूरी है, लेकिन इस दौड़ में जिंदगी को पीछे छोड़ देना समझदारी नहीं। कभी-कभी खुश रहने के लिए कुछ नया हासिल करने से ज्यादा जरूरी है, जो हासिल है उसका आनंद लेना।



जिंदगी का फलसफा

अपने आत्मविश्वास को कमजोर न करें

दूसरों को सही साबित करने में बीत जाती है जिंदगी

जीवन की एक कड़वी सच्चाई यह है कि इंसान अपनी जिंदगी का बड़ा हिस्सा दूसरों को यह समझाने में बिता देता है कि उसने जो किया, वह सही किया। वह अपने फैसलों, विचारों और कार्यों का स्पष्टीकरण देने में इतना उलझ जाता है कि धीरे-धीरे खुद को समझना ही भूल जाता है। उसे लगता है कि जब तक दूसरे उसके काम की सराहना नहीं करेंगे, तब तक उसके प्रयासों का कोई महत्व नहीं है। यही सोच व्यक्ति के आत्मविश्वास को कमजोर करने लगती है।

हर व्यक्ति का नजरिया एक जैसा नहीं होता

दरअसल, हर व्यक्ति की सोच, अनुभव और परिस्थितियां अलग-अलग होती हैं। जिस काम को हम अपनी समझ और परिस्थितियों के अनुसार सही मानते हैं, जरूरी नहीं कि दूसरा भी उसे उसी नजरिए से देखे। कई बार हमारी कोशिशों का परिणाम उम्मीद के अनुरूप नहीं आता। ऐसे में हमें अपनी कमियों को समझने और अनुभव से सीखने के बजाय दूसरों को यह साबित करने की चिंता सताने लगती है कि हमारा निर्णय गलत नहीं था। यह आदत धीरे-धीरे मानसिक थकान और असंतोष का कारण बन जाती है।

अपनी खुशी की चाबी दूसरों के हाथ में न दें

सबसे पहले व्यक्ति को यह समझना होगा कि हर किसी की स्वीकृति प्राप्त करना न तो संभव है और न ही जरूरी। यदि हम अपनी खुशी और आत्मसम्मान को दूसरों की प्रतिक्रिया से जोड़ देंगे तो हमारा मन कभी स्थिर नहीं रह पाएगा। आज कोई हमारी प्रशंसा करेगा तो हम खुश होंगे और कल वही व्यक्ति आलोचना कर देगा तो हमारा आत्मविश्वास डगमगाने लगेगा। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी कीमत दूसरों की राय से तय करना बंद करें।

आलोचना से सीखें, लेकिन उससे टूटें नहीं

इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि व्यक्ति दूसरों की बात सुनना छोड़ दे या अपनी गलतियों को स्वीकार न करे। जीवन में आलोचना भी जरूरी है, क्योंकि कई बार दूसरे लोग हमारी उन कमियों को देख पाते हैं जिन्हें हम स्वयं नहीं देख पाते। लेकिन हर आलोचना को सच मान लेना भी समझदारी नहीं है। व्यक्ति को चाहिए कि वह उपयोगी सुझावों को स्वीकार करे, अपनी गलतियों में सुधार करे और निरर्थक टिप्पणियों को मन पर बोझ न बनने दे।

तुलना नहीं, अपनी प्रगति पर ध्यान दें

अपने आप को दूसरों से कमतर न समझने के लिए जरूरी है कि व्यक्ति अपनी तुलना किसी दूसरे से करने के बजाय अपने बीते हुए कल से करे। हर इंसान की यात्रा अलग होती है। किसी को सफलता जल्दी मिल जाती है तो किसी को संघर्ष के लंबे रास्ते से गुजरना पड़ता है। इसका अर्थ यह नहीं कि देर से सफलता पाने वाला व्यक्ति कम योग्य है। अपनी छोटी-छोटी उपलब्धियों को पहचानना और उनके लिए स्वयं को प्रोत्साहित करना आत्मविश्वास बढ़ाने का अच्छा तरीका है।



खुद की नजरों में सही होना ज्यादा जरूरी

अंततः जीवन दूसरों को सही साबित करने की प्रतियोगिता नहीं है। यह स्वयं को बेहतर बनाने, अपनी क्षमताओं को पहचानने और मानसिक शांति के साथ आगे बढ़ने की यात्रा है। इसलिए लोगों की प्रशंसा मिलने पर विनम्र रहिए और आलोचना मिलने पर विचलित मत होइए। आपका मूल्य किसी की हां या ना से तय नहीं होता। जिस दिन आप अपने प्रयासों का सम्मान करना सीख जाएंगे, उस दिन दूसरों से कमतर महसूस करने की आदत भी धीरे-धीरे समाप्त होने लगेगी।

अपने फैसलों की जिम्मेदारी लेना सीखें

व्यक्ति को अपने जीवन में कुछ ऐसे फैसले भी लेने चाहिए जिनकी जिम्मेदारी वह स्वयं उठा सके। हर कदम पर दूसरों की राय और अनुमति का इंतजार करने से निर्णय लेने की क्षमता कमजोर होती है। अपनी समझ पर भरोसा रखिए, लेकिन जरूरत पड़ने पर सीखने का साहस भी बनाए रखिए। याद रखिए, गलती करना असफलता नहीं, बल्कि अनुभव प्राप्त करने का एक अवसर है।

25 नवंबर को जिला प्रमुख एवं 26 नवंबर को उप जिला प्रमुख का होगा निर्वाचन

संचार जगत

जयपुर। राजस्थान पंचायतीराज अधिनियम, 1994 तथा राजस्थान पंचायतीराज (निर्वाचन) नियम, 1994 के 59, 61 एवं 62 में विर्निदीष्ट प्रावधानों के अनुरूप तथा राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान द्वारा जारी निर्देशों के अनुसरण में पंचायतीराज संस्थाओ के अध्यक्षीय एवं उपाध्यक्षीय पदों के निर्वाचन की प्रक्रिया सुचारू से संपन्न करने के उद्देश्य से मंगलवार को जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने जिला परिषद सभागार में जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिला प्रमुख जिला प्रमुख पदों के निर्वाचन की प्रक्रिया को विधि सम्मत, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली गई है। अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षीय पद हेतु निर्वाचित सदस्यों में से प्रत्येक अभ्यर्थी निर्धारित 4ख में संबंधित रिर्टेनिंग अधिकारी के समक्ष नाम निदेर्शन-पत्र प्रस्तुत करेगा। नाम



निदेर्शन-पत्र पर अभ्यर्थी तथा जिला परिषद् के एक निर्वाचित सदस्य जो प्रस्तावक होगा, के हस्ताक्षर का होना आवश्यक होगा। नाम निदेर्शन-पत्र अभ्यर्थी अथवा उसके प्रस्तावक द्वारा निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर प्रस्तुत किया जा सकेगा। प्रक्रिया में भाग लेने के लिए सदस्यों को अपना निर्वाचन प्रमाण-पत्र एवं आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र आदि फोटोयुक्त पहचान पत्र साथ लेकर आना होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) ने बताया कि पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव 2026 के चुनाव कार्यक्रम के अनुसार जिला परिषद् के प्रमुख एवं उप प्रमुख के निर्वाचन की प्रक्रिया 25.11.2026 एवं 26.11.2026 को पूर्वाह्न 10:00 बजे क्रमशः जिला परिषद् जयपुर के सभा-भवन में आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिला प्रमुख एवं उप जिला प्रमुख के चुनाव के लिए 25.11.2026 एवं 26.11.2026 क्रमशः पूर्वाह्न 10:00 बजे बैठक प्रारंभ होगी। पूर्वाह्न 11:00 बजे तक नाम निर्देशन-पत्रों का प्रस्तुतीकरण होगा। पूर्वाह्न 11:30 बजे से नाम निर्देशन-पत्रों की संवीक्षा होगी। अपराह्न 01:00 बजे तक अभ्यर्थिता वापसी होगी। अपराह्न 01:00 बजे के तुरंत पश्चात् चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार कर चुनाव चिन्हों का आंवटन होगा। अपराह्न 03:00 बजे से 05:00 बजे के मध्य मतदान, यदि आवश्यक हुआ तो, होगा।

ट्रैफिक पुलिस ने शुरू की सख्ती

संचार जगत



अलवर। शहर की सड़कों पर कानफोड़ू आवाज और पटाखे फोड़ने वाली बुलेट बाइकों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस ने एक बार फिर सख्ती शुरू कर दी है। यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करने के लिए चलाए गए विशेष अभियान के तहत पुलिस ने 7 मोडिफाइड बुलेट बाइकों को जब्त कर चालान काटे हैं। ट्रैफिक इंचार्ज मोहन सिंह के निर्देशन में हुई इस कार्रवाई में उन बाइकों को निशाना बनाया गया, जिनमें कंपनी फिटेड साइलेंसर की जगह मोडिफाइड साइलेंसर या तेज आवाज वाले प्रेशर हॉर्न लगे थे। पुलिस की ओर से पहले भी ऐसे वाहन ड्राइवरों के खिलाफ बड़े स्तर पर कार्रवाई की जा चुकी है। अब तक दो बार अभियान चलाकर 250 से अधिक मोडिफाइड साइलेंसर जब्त किए गए और उन पर बुलडोजर चलाकर नष्ट किया गया था। हालांकि, पुलिस की ढिलाई मिलते ही शहर की सड़कों और बाजारों में पटाखे छोड़ने वाली बाइकों का आतंक फिर से बढ़ गया था, जिसे देखते हुए अब दोबारा सख्ती शुरू की गई है। पुलिस का कहना है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले और ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले ऐसे वाहनों को शहर में किसी भी सूरत में नहीं चलने दिया जाएगा। आगे भी यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

श्रद्धा से मनाई गुरु नानकदेव की जयंती



संचार जगत

मकराना। सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानकदेवजी की 557वीं जयंती प्रकाशोत्सव के रूप में मनाई गई। बाइपास रोड स्थित गुरुद्वारे को सजाया गया। गुरुद्वारे के सेवादार बाबा ईशर सिंह के सानिध्य में धार्मिक कार्यक्रम हुए। कीर्तन मंडली ने गुरुवाणी का पाठ और शब्द कीर्तन किया। इसके बाद सामूहिक प्रार्थना हुई। भोग के बाद लंगर लगाया गया, जिसमें शहर के सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया। गुरुद्वारे में सामूहिक अरदास भी हुई। इस दौरान बाबा ईशर सिंह ने लोगों से गुरु नानकदेव के बताए मार्ग पर चलने को कहा। वहीं स्काउट-गाइड ने भी सेवा की और महिलाओं ने लंगर के लिए रोटियां बनाई। आयोजन के दौरान सुरक्षा के लिए पुलिस जवान तैनात रहे।

तेज डीजे बजाने वाली 5 गाड़ियां जब्त



संचार जगत

नागौर। पुलिस ने शहर में शादी समारोहों में देर रात तक तेज आवाज में डीजे बजाने वालों के खिलाफ सख्ती दिखाई है। कोतवाली पुलिस ने रात 1 से 2 बजे के बीच अलग-अलग इलाकों में कार्रवाई करते हुए पांच डीजे वाहनों को जब्त किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से डीजे संचालकों में हड़कंप मच गया। कोतवाल नंदलाल रिणवा ने बताया कि इन दिनों शादी समारोहों का सीजन चल रहा है। इस दौरान कई डीजे संचालक निर्धारित समय की अनदेखी कर देर रात तक तेज आवाज में डीजे बजा रहे थे।

इससे आमजन को परेशानी हो रही थी। साथ ही ध्वनि प्रदूषण की शिकायतें भी मिल रही थीं। पुलिस को देर रात थाना क्षेत्र के अलग-अलग इलाकों में तेज आवाज में डीजे बजने की सूचना मिली थी। इस पर कोतवाली पुलिस की टीमों ने विभिन्न स्थानों पर दबिश दी। पुलिस ने स्पष्ट किया कि शादी समारोहों की आड़ में देर रात तक तेज आवाज में डीजे बजाकर नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

कांग्रेस और सपा से दूसरे दौर की बातचीत से पहले बढ़ी तल्खी



संचार जगत

लखनऊ। यूपी चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर पेंच फंसता नजर आ रहा है। पहले दौर की बातचीत के बाद दोनों दलों की ओर से सब कुछ ठीक होने के दावे किए गए थे, लेकिन दूसरे दौर की अहम बैठक से ठीक पहले सपा के वरिष्ठ नेताओं ने सीटों के आंकड़ों का खुलासा कर सियासी हलचल बढ़ा दी है।

सपा के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव और वरिष्ठ नेता राजीव राय ने स्पष्ट किया है कि पहले दौर की बातचीत में कांग्रेस को केवल 26 सीटों का ऑफर दिया गया है। ऑफर बाहर आते ही सपा-कांग्रेस में तल्खी बढ़ गई। कांग्रेस की वार्ता कमेटी में शामिल सांसद इमरान मसूद ने इस ऑफर पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। सपा नेताओं की ओर से 26 सीटों के ऑफर का खुलासा किए जाने के बाद कांग्रेस खेमे में नाराजगी खुलकर सामने आ गई है। गठबंधन की वार्ता प्रक्रिया में शामिल कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने सपा के इस प्रस्ताव पर कड़ा ऐतराज जताते हुए तल्ख तेवर दिखाए हैं। उन्होंने कहा कि हम कोई भीख नहीं मांग रहे हैं। हमने गठबंधन में सम्मानजनक सीटें देने की बात कही है। कांग्रेस नेताओं का मानना है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में गठबंधन के बेहतर प्रदर्शन के बाद विधानसभा चुनाव में पार्टी की हिस्सेदारी इससे कहीं अधिक होनी चाहिए।

सीएम शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने की राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 की प्रगति की समीक्षा

संचार जगत



जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार सुशासन एवं जनकेंद्रित प्रशासन को सुदृढ़ बनाते हुए आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को शासन सचिवालय में राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 की कार्यप्रणाली एवं प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने जनशिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण, शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि दर बढ़ाने तथा हेल्पलाइन की सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं सुगम बनाने के निर्देश दिए।

दो माह में 7.58 लाख से अधिक शिकायतों का निस्तारणः समीक्षा के दौरान अवगत कराया गया कि राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन पर सितम्बर माह में दर्ज 4 लाख 16 हजार 608 शिकायतों में से 4 लाख 13 हजार 637 तथा अक्टूबर माह में दर्ज 3 लाख 66 हजार 44 शिकायतों में से 3 लाख 44 हजार 567 शिकायतों का निस्तारण किया गया। दोनों माह में शिकायतों के निस्तारण की औसत अवधि 10 दिन रही। सितम्बर माह में शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि दर 69.93 प्रतिशत तथा अक्टूबर माह में 67.54 प्रतिशत रही, जबकि समग्र संतुष्टि दर 65.69 प्रतिशत रही।

केंद्र सरकार के जनशिकायत पोर्टल से प्राप्त प्रकरणों का प्रभावी निस्तारणः केंद्र सरकार के जनशिकायत पोर्टल (सीपीग्राम) के माध्यम से सितम्बर माह में प्राप्त 5 हजार 310 प्रकरणों में से 5 हजार 157 तथा अक्टूबर माह में प्राप्त 4 हजार 568 प्रकरणों में से 3 हजार 910 प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

शिकायत निस्तारण में तीन विभागों का उत्कृष्ट प्रदर्शनः गत छह माह (मई से अक्टूबर) के दौरान शिकायत निस्तारण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शीर्ष तीन विभागों की प्रगति से भी अवगत कराया गया। इनमें जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड ने 82.59 प्रतिशत, महिला एवं बाल विकास विभाग के समेकित बाल विकास सेवा निदेशालय ने 78.55 प्रतिशत तथा खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग ने 75.83 प्रतिशत संतुष्टि दर दर्ज की।

भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में नशा मुक्त राजस्थान का संकल्प हो रहा है साकार

संचार जगत

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के संकल्प पर तेजी से कार्य करते हुए मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध उत्पादन एवं नशे के कारोबार में लिप्त के विरुद्ध निरंतर सख्त कार्रवाई की जा रही है। पिछले तीन वर्षों में प्रदेश में व्यापक स्तर पर मादक पदार्थों की जब्ती और अपराधियों की गिरफ्तारी कर



अवैध नशे के नेटवर्क पर सर्जिकल स्ट्राइक की गई है। एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स ने 2024 से इस साल अक्टूबर तक एनडीपीएस एक्ट के तहत 18 हजार 497 प्रकरण दर्ज कर 27 हजार 473 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस अवधि में लगभग 2 हजार 445 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं। वहीं, नशे के अवैध कारोबार में प्रयुक्त 13 हजार 620 वाहन भी जब्त किए गए है। अवैध मादक पदार्थों के निर्माण की फैक्ट्रियों, विशेषकर एमडी ड्रग्स, के विरुद्ध गत तीन वर्षों में 49 प्रकरण दर्ज कर 115 आरोपियों को गिरफ्तार किया गए हैं। नशे के कारोबार के आर्थिक नेटवर्क को तोड़ने के लिए भी सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। 2026 तक प्रदेश में फरार, हार्डकोर एवं इनामी श्रेणी के 3 हजार 450 वांछित को गिरफ्तार किया गया। नशे के कारोबार के 236 हॉटस्पॉट पर छापेमारी कर 473 कार्रवाइयां भी की गई।

उत्तर प्रदेश में ओवैसी की हसरत पर आजम ने दिया जवाब

संचार जगत



लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अल्पसंख्यक वोट बैंक और राजनीतिक नेतृत्व को लेकर समाजवादी पार्टी के आजम खान और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के बीच जुबानी जंग और तेज हो गई है। आजम खान ने उत्तर प्रदेश में ओवैसी की बढ़ती चुनावी महत्वाकांक्षाओं और नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद के साथ उनके गठबंधन पर तीखा हमला बोला है। आजम खान ने बिना नाम लिए चेतावनी भरे लहजे में कहा कि बाहरी लोग उत्तर प्रदेश के मामलों में दखल न दें, वरना ऐसा न हो कि उनके पास जो चार सीटें हैं, वे भी हाथ से चली जाएं। उन्होंने कहा कि जो लोग उत्तर प्रदेश के कमजोर वर्गों की बर्बादी का कारण बनना चाहते हैं, उन्हें यहां के लोगों के हाल पर रहम करना चाहिए और उनके मामले उन्हें ही तय करने देने चाहिए। उन्होंने तेलंगाना की राजनीति का हवाला देते हुए कहा कि वे पहले अपने राज्य में चार सीटों को पांच करें, वहां 11-12 सीटों पर लड़ने के बजाय पूरे प्रदेश में चुनाव लड़ें और वहां किसी मुसलमान को मुख्यमंत्री बनाएं। आजम खान ने तंज कसते हुए कहा कि अपने गृह राज्य में सीमित सीटों पर लड़ने वाले नेता उत्तर प्रदेश की सभी सीटों पर चुनाव लड़ने और यहां सत्ता दिलाने की बात कर रहे हैं।

विकास परियोजनाओं में किसी भी तरह की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी

विकास कार्यों की धीमी रफ्तार पर दिया कुमारी ने अपनाया सख्त रुख

संचार जगत

जयपुर। राजस्थान में विकास कार्यों की धीमी रफ्तार और निर्माण कार्यों में लापरवाही को लेकर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सख्त रुख अपनाया है।

उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया है कि विकास परियोजनाओं में किसी भी तरह की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा। तय समय सीमा में सभी प्रोजेक्ट पूरे करने के साथ ही अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए हैं।

दरअसल, जयपुर स्थित सार्वजनिक निर्माण विभाग भवन में उपमुख्यमंत्री एवं पीडब्ल्यूडी मंत्री दिया कुमारी ने विभागीय समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विकास कार्यों, बजट घोषणाओं और निर्माण परियोजनाओं की प्रगति का विस्तृत फीडबैक लिया।



बैठक में लंबित परियोजनाओं को जल्द पूरा करने और अलग-अलग विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर काम में आ रही बाधाओं को दूर करने पर जोर दिया गया। बैठक में भूमि अवाप्ति से जुड़े मामले, मिसिंग लिंक और नॉन-पेचेबल सड़कें, अटल प्रगति पथ, एक्सप्रेस-वे, राष्ट्रीय राजमार्ग, वार्षिक योजना, सीआरआईएफ और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्यों की भी समीक्षा की गई। दिया कुमारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क निर्माण के दौरान गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए और अधिकारी खुद मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्यों का निरीक्षण करें। बैठक में पीडब्ल्यूडी, राष्ट्रीय राजमार्ग, जेडीए, यातायात पुलिस, नगर निगम और जयपुर मेट्रो के अधिकारी मौजूद रहे।

मदन राठौड़ ने अशोक गहलोत पर कसा तंजः कहा हाथी डकार गए, हॉर्स ट्रेडिंग की बात करते हैं

संचार जगत

जयपुर। पंचायतीराज चुनाव अब अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच गए हैं। जिला परिषदों में जिला प्रमुख और उप जिला प्रमुख के निर्वाचन को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। जिला परिषदों में कांग्रेस का पलड़ा भारी नजर आ रहा है, जबकि भाजपा के सामने अपनी राजनीतिक जमीन बचाने की चुनौती है। पंचायत चुनावों में हार के बाद बीजेपी में मंथन का दौर जारी है, इस बीच भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि पार्टी प्रदेश के सभी 37 जिलों में जिला प्रमुख और प्रधान पद के लिए अपने उम्मीदवार खड़े करेगी। बीजेपी विपक्ष और कांग्रेस को किसी भी जगह फ्री हैंड नहीं देना चाहती। कांग्रेस की ओर से लगाए जा रहे हॉर्स ट्रेडिंग के आरोपों पर राठौड़ ने कहा कि गोविंद डोटासरा तो कुछ भी बोलते रहते हैं, वे उनके बयानों को तवज्जो नहीं देते, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अनुभवी नेता हैं, उन्हें ऐसी बातें नहीं करनी चाहिए। राठौड़ ने तंज कसते हुए कहा कि अशोक गहलोत ने



दो बार बसपा का हाथी डकार कर अपनी सरकार बनाई थी। उन्हें हॉर्स ट्रेडिंग का अनुभव होगा, इसलिए वे इस तरह की बातें कर रहे हैं। पंचायत चुनावों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं होने के बाद बीजेपी में हार के कारणों को लेकर मंथन शुरू हो गया है। दूसरी ओर, प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा जिला प्रमुख और प्रधान बनाने के लिए भी पार्टी ने रणनीति तैयार करनी शुरू कर दी है। इसी सिलसिले में बीजेपी प्रदेश प्रभारी संजय भाटिया पार्टी मुख्यालय पहुंचे, जहां पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी भी मौजूद रहे। प्रदेश में जिला प्रमुखों के चयन और राजनीतिक समीकरणों को लेकर नेताओं के बीच हुई। इस दौरान मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ भी बीजेपी मुख्यालय पहुंचे। पार्टी नेतृत्व ने पंचायत चुनाव के नतीजों की समीक्षा के साथ ही जिला प्रमुख और प्रधान पदों पर जीत सुनिश्चित करने की रणनीति पर चर्चा की।

सिरोही जिले जीप पलटने से कई सवारियां घायल



संचार जगत

सिरोही। सिरोही जिले के शिवगंज में ओवरलोडिंग और लापरवाही का एक बड़ा हादसा सामने आया है। सवारियों से खचाखच भरी जीप और निजी मिनी बस के बीच जोरदार भिड़ंत में कई लोग घायल हो गए, जिन्हें तत्काल शिवगंज जिला अस्पताल पहुंचाया गया। तीन गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है, जबकि अन्य घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों और घायलों के मुताबिक, जीप में क्षमता से कई गुना अधिक सवारियां भरी हुई थीं। बताया जा रहा है कि जीप चालक ने मिनी बस के पीछे टक्कर मार दी, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया।

फर्जी कॉल सेंटर से 34 लोग गिरफ्तार

संचार जगत



जोधपुर। कमिश्नरेट स्पेशल टीम ने फर्जी कॉल सेंटर का खुलासा किया है। टीम ने मौके से 34 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस पूरी कार्रवाई को बासनी क्षेत्र की एक गली में अंजाम दिया गया। सीएसटी प्रभारी मेहराज तंवर को सूचना मिली कि बासनी क्षेत्र में एक कॉल सेंटर चलाया जा रहा है। जिसमें गिफ्ट कार्ड रीडीम करवाने के नाम पर अमेरिका से लेकर कई देशों के नागरिकों को ठगी का शिकार बनाया जाता है। इस पर टीम ने दबिश दी। मौके से 28 युवकों और 6 लड़कियों सहित 34 जनों को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई के दौरान सेंटर का मालिक हरविजय सिंह फरार हो गया। जिसकी तलाश में पुलिस की टीम जुटी हुई है। कार्रवाई के दौरान नागालैंड, असम सहित अलग अलग राज्य के युवक-युवतियों को पकड़ा गया है। बताया जा रहा है कि इस काल सेंटर में बैठकर विदेशी लोगों को ठगी का शिकार बनाया जाता था।

जयपुर में प्लॉट और सरकारी नौकरी के नाम पर 23.11 लाख की ठगी, एक साल से फरार आरोपी गिरफ्तार



संचार जगत

जयपुर। राजधानी जयपुर में प्लॉट दिलाने और सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर 23 लाख 11 हजार रुपये की ठगी करने के मामले में खोह नागोरियान थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक साल से फरार चल रहे आरोपी महेश कुमार मीणा (40) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, परिवादी सूरज मल ने 26 अगस्त 2025 को थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि आरोपी महेश कुमार मीणा ने उसे प्लॉट नंबर 54, 55 और 56 दिलाने के साथ ही नगर निगम जयपुर में सफाई कर्मचारी के पद पर सरकारी नौकरी लगवाने का भरोसा दिलाया था। आरोपी ने इन कामों के बदले परिवादी से कुल 23 लाख 11 हजार रुपये ले लिए, लेकिन न तो प्लॉट दिलाए और न ही सरकारी नौकरी लगवाई। इस संबंध में खोह नागोरियान थाने में मुकदमा नंबर 504/2025 दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की

बीजेपी और शिरोमणि अकाली दल की छह साल बाद खत्म हुई जुदाई

संचार जगत



नई दिल्ली। पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल ने गठबंधन कर लिया है। दोनों दल मिलकर राज्य की 117 सीटों पर दावेदारी पेश करेंगे। खास बात है कि 2020 में अलग होने के बाद शिअद और भाजपा साथ आए हैं। दोनों दलों ने 6 साल के बाद गठबंधन का ऐलान कर दिया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और शिअद प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका ऐलान कर दिया। 2020 में कृषि कानूनों को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद शिअद ने भाजपा से राहें अलग कर ली थीं। पंजाब भी उन 5 राज्यों में शामिल हैं, जहां 2027 के शुरुआती महीनों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें सबसे ज्यादा 403 सीटों वाला उत्तर प्रदेश भी शामिल है, जहां भाजपा तीसरी बार सत्ता में लौटने की कोशिश कर रही है। 2022 में हुए पंजाब चुनाव में शिअद ने बहुजन समाज पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ने का ऐलान किया था, लेकिन खास प्रदर्शन नहीं कर सकी थी। इस मौके पर अमित शाह ने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि एनडीए का सबसे पुराना सहयोगी, शिरोमणि अकाली दल आज फिर से एनडीए में वापस आ रहा है।

ट्रक और बस की टक्कर में 4 बच्चों की मौत, 25 घायल



संचार जगत

कन्नौज। यूपी के कन्नौज में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूल बस को पीछे से टक्कर मार दी।

हादसे में 4 बच्चों की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हैं। बस में 50 स्टूडेंट्स समेत 60 लोग सवार थे। सभी आगरा में पिकनिक मनाकर कौशांबी लौट रहे थे। बस कौशांबी के ओरिएंटल पब्लिक स्कूल की थी। बस मंगलवार रात 12 बजे आगरा से रवाना हुई थी। बुधवार सुबह करीब 6 बजे बच्चों को टॉयलेट कराने के लिए ठठिया थाना क्षेत्र में एक्सप्रेसवे पर रोकी गई थी। इसी दौरान यह हादसा हो गया। टक्कर इतनी तेज थी कि बस का पिछला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और सीटें उखड़ गईं। कई बच्चे सीटों के बीच फंस गए थे। माना जा रहा है कि ट्रक ड्राइवर को झपकी आने की वजह से हादसा हुआ।

गलता तीर्थ में दीपदान का भव्य आयोजन

जयपुर। जिला कलक्टर ने मंगलवार को गालव ऋषि की तपोभूमि गलता तीर्थ पहुंचकर दीप दान व आरती की और उपस्थित श्रद्धालुओं के साथ पूजा अर्चना की। कार्तिक पूर्णिमा की सांझ व देव दीवाली के इस शुभ अवसर जिला कलेक्टर ने 5100 दीयों से जगमगाते भव्य गलतातीर्थ में सीताराम जी के मुख्यमन्दिर, गालव ऋषि व गलता जी मंदिर पर मंत्रोच्चार के साथ पूजा की।

राजस्थान BJP में महाभूकंप, बीजेपी में कुछ बड़ा होने वाला है

क्या बदलेंगे सियासी समीकरण राजस्थान में सियासी भूचाल के संकेत!

संचार जगत



नई दिल्ली। वसुंधरा राजे के आवास की सुरक्षा बढ़ने और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को बीजेपी हाईकमान की ओर से दिल्ली बुलाए जाने की खबरों ने राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है।

सवाल उठ रहे हैं कि क्या राजस्थान बीजेपी में कुछ बड़ा होने वाला है?दरअसल, सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया के आवास की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को भी दिल्ली तलब किए जाने की चर्चाएं हैं। हालांकि, इन दोनों दावों की अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है।

लेकिन इन चर्चाओं के बीच राजस्थान बीजेपी के लिए हालिया पंचायत चुनावों के नतीजे जरूर चिंता का विषय बने हुए हैं। ग्रामीण निकाय चुनावों में कांग्रेस की बड़ी बढ़त के बाद बीजेपी संगठन में हार की समीक्षा शुरू हो चुकी है। पार्टी के केंद्रीय नेताओं की सक्रियता बढ़ी है और संगठन से लेकर सरकार तक संभावित फेरबदल की चर्चाएं भी सामने आ रही हैं।ऐसे में राजनीतिक जानकारों की नजरें बीजेपी के अगले कदम पर टिकी हैं। फिलहाल यह कहना जल्दबाजी होगी कि राजस्थान में नेतृत्व परिवर्तन होने जा रहा है, लेकिन इतना जरूर है कि पंचायत चुनावों के नतीजों ने बीजेपी के भीतर आत्ममंथन की स्थिति पैदा कर दी है।

अब देखना होगा कि आने वाले दिनों में राजस्थान की सियासत क्या नया मोड़ लेती है।

रोसाकॉनः 2027 का 38वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में जुटेंगे हड्डी रोग विशेषज्ञ

संचार जगत



कोटा। राजस्थान ऑर्थोपेडिक सर्जन्स एसोसिएशन का 38वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन रोसाकॉन-2027 8 से 10 जनवरी तक कोटा में आयोजित किया जाएगा। इसमें चिकित्सा विज्ञान में तेजी से हो रहे बदलावों और हड्डियों से जुड़ी जटिल बीमारियों के आधुनिक उपचार पर चर्चा करने के लिए देशभर के 800 से अधिक हड्डी रोग विशेषज्ञ कोटा में जुटेंगे। इस तीन दिवसीय सम्मेलन में देश के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों के विशेषज्ञ शामिल होंगे। सम्मेलन का उद्देश्य हड्डी रोगों के उपचार में इस्तेमाल हो रही नवीनतम सर्जिकल तकनीकों और प्रक्रियाओं से चिकित्सकों को रूबरू कराना है। सम्मेलन में ट्रॉमा मैनेजमेंट, सड़क दुर्घटनाओं और गंभीर हादसों में हड्डियों की चोटों का त्वरित एवं बेहतर उपचार, ज्वाइंट रिप्लेसमेंट, स्पाइन सर्जरी, स्पोर्ट्स इंजरी सहित इनसे जुड़े विषयों पर विशेषज्ञ अपने शोध, अनुभव और नवीनतम चिकित्सा प्रक्रियाओं की जानकारी साझा करेंगे।

असीम मुनीर के खिलाफ सड़कों पर उतरे सिंधी उठी अलग

संचार जगत



इस्लामाबाद। पाकिस्तान एक बार फिर बड़े राजनीतिक और क्षेत्रीय विवाद में घिरता नजर आ रहा है। इस बार मामला देश के सिंध प्रांत से जुड़ा है, जहां हजारों लोग सड़कों पर उतरकर सरकार और सेना के खिलाफ विरोध जता रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर और पंजाब के दबदबे वाला सत्ता प्रतिष्ठान सिंध को बांटने की कोशिश कर रहा है। कराची की सड़कों पर उतरे लोगों ने साफ कहा है कि सिंध की ऐतिहासिक पहचान और जमीन के साथ कोई समझौता नहीं होगा। इतना ही नहीं, कुछ राष्ट्रवादी संगठनों ने पंजाब की आर्थिक नाकेबंदी करने और अलग देश सिंधुदेश बनाने की मांग भी तेज कर दी है। 22 नवंबर को कराची में जिये सिंध रहबर कमेटी के नेतृत्व में हजारों लोगों ने रैली निकाली। प्रदर्शनकारियों के हाथों में लाल झंडे थे और वे पारंपरिक सिंधी अजरक और टोपियां पहने हुए थे। रैली में कई राष्ट्रवादी संगठनों, वकीलों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि सिंध सिर्फ पाकिस्तान का एक प्रांत नहीं, बल्कि हजारों साल पुरानी सभ्यता, भाषा और संस्कृति की पहचान है. इसलिए इसे प्रशासनिक रूप से बांटने की किसी भी कोशिश को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

पहला एआई पुलिस स्टेशन की तैयारियां जारी



संचार जगत

हैदराबाद। तेलंगाना पुलिस अब अपराध नियंत्रण और जनसेवा को हाई-टेक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। हैदराबाद का पंजगट्टा पुलिस स्टेशन देश का पहला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित पुलिस स्टेशन बनने जा रहा है। दिसंबर के पहले हफ्ते में इसे एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया जाएगा। हैदराबाद पुलिस अधिकारियों ने हाल ही में थाने का निरीक्षण कर इसकी तैयारियों का जायजा लिया। पायलट प्रोजेक्ट के सफल होने और इसके परिणामों की समीक्षा के बाद इस आधुनिक व्यवस्था को तेलंगाना के अन्य पुलिस थानों में भी लागू किया जाएगा। इस नई व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य आम लोगों के लिए थाने की कार्यप्रणाली को आसान बनाना और पुलिस के कामकाज में तेजी लाना है। इसके तहत थाने के रिसेप्शन पर सेतु नाम का एक डिजिटल एआई कियोस्क लगाया गया है। इस कियोस्क के माध्यम से फरियादी अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे, केस की स्थिति जान सकेंगे और जरूरी जानकारी हासिल कर सकेंगे।

राजस्थान में उत्तरी हवा ने अब दिन में सर्दी तेज कर दी

राजस्थान में शीतलहर का अलर्ट

संचार जगत



जयपुर। राजस्थान में उत्तरी हवा ने दिन में अब सर्दी तेज कर दी। अलवर, सीकर, पिलानी, श्रीगंगानगर समेत उत्तर-पूर्वी जिलों में दिन में सर्द हवा चलने से धूप में भी लोगों को सर्दी महसूस हुई।

वहीं माउंट आबू में जीरो डिग्री से तापमान बढ़कर अब 3 डिग्री पर पहुंच गया है। फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो इस सीजन का सबसे कम तापमान रहा। इसके अलावा सीकर, टोंक, चूरू, नागौर में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से कम रहा। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में सर्द हवा बढ़ने की आशंका है। माउंट आबू में सर्दी के असर के कारण कोहरा छाया रहा। यहां तापमान में गिरावट के साथ हल्की बर्फ भी जमने लगी है। मौसम विशेषज्ञों ने बताया कि राज्य में अगले एक मौसम ड्राई रहेगा। इस दौरान तापमान में मामूली गिरावट हो सकती है। इससे रात में सर्दी बढ़ेगी। कुछ इलाकों में दिन में हल्की ठंडी हवा चलने से दिन में भी ठंडक और बढ़ने की संभावना है।

राजस्थान हाईकोर्ट की सरकार पर सख्ती, 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश की फैमिली कोर्ट में बुनियादी सुविधाओं की कमी से जुड़े मामले में राज्य सरकार पर कड़ी नाराजगी जताते हुए 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। सरकार की ओर से पिछले छह साल से जनहित याचिका में संतोषजनक जवाब पेश नहीं किए जाने पर अदालत ने यह कार्रवाई की। मुख्य न्यायाधीश संजय के अग्रवाल की खंडपीठ ने जागो जनता सोसायटी की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। अदालत ने कहा कि यह जनहित याचिका वर्ष 2011 से लंबित है। 29 अगस्त 2019 को हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को प्रदेश के फैमिली कोर्ट में उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए थे, लेकिन छह साल बीत जाने के बावजूद सरकार की ओर से संतोषजनक जवाब पेश नहीं किया गया।

स्वामित्व, प्रकाशक एवं संपादक : अवंतिका राठौड़ - पी.के. प्रिंटर्स एंड स्टेशनर्स, 31, राम मंदिर के पास, पटेल नगर, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। कार्यालय : जे-17, रमेश मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर। संपर्क : 0141 463 7668
ई-मेल : sancharjagat@gmail.com| आरएनआई नं. : RAJHIN/2014/55262 समाचार चयन के लिए पीआरबी अधिनियम के तहत जिम्मेदार। न्यायाधिकार क्षेत्र : जयपुर महानगर।